सँवारे से मेरी मुलाक़ात हो गई

सखी सपने में एक अनोखी बात हो गई,
सँवारे से मेरी मुलाक़ात हो गई ,

मैं तो गहरी नींद में सोइये रही रही,
उस प्यारे के सपनो में खोये रही थी,
सखी कैसे मैं बताओ करामात हो गई,
सँवारे से मेरी मुलाक़ात हो गई ,

धीरे धीरे वो पास मेरे आने लगे,
मुझ बिरहँ को दिल से लगाने लगे,
मेरी आखियो से अश्को की बरसात हो गई,
सँवारे से मेरी मुलाक़ात हो गई ,

मैंने सोचा अब अपने मैं दिल की कहु,
ये जुदाई का दर्द अब कितना सहू
यही सोचते ही सोचते परभात हो गई,
सँवारे से मेरी मुलाक़ात हो गई ,

अपने साजन की पागल दीवानी हुई,
ऐसी चित्र विचित्र की कहानी हुई,
मिली उसकी झलक ये सोगात हो गई
सँवारे से मेरी मुलाक़ात हो गई ,

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw